

पिंडोलि स्त्री. (तत्.) 1. मुँह से गिरे हुए अन्न के छोटे-छोटे टुकड़े 2. जूठन।

पिंभ पुं. (देश.) प्रेम।

पिंशन स्त्री. (अं.) पेंशन, सेवा-निवृत्ति के बाद प्रतिमाह सेवा-निवृत्त कर्मचारियों को मिलने वाली राशि।

पिअ पुं. (तद्.) 1. स्त्री का पति 2. प्रेमी।

पिअना स.क्रि. (देश.) पीना।

पिअर वि. (देश.) पीला पुं. (देश.) पीहर, मायका।

पिअरवा वि. (देश.) प्यारा, पुं. (तद्.) प्रेमी या पति।

पिअरा वि. (देश.) पीला।

पिअराई स्त्री. (देश.) पीलापन।

पिअरी स्त्री. (देश.) 1. हल्दी के रंग से रंगी वह धोती जो विवाह आदि के शुभ अवसरों पर वर या वधू को पहनाई जाती है।

पिआज पुं. (देश.) प्याज।

पिआना स.क्रि. (देश.) पिलाना।

पिआनो पुं. (अं.) पियानो, एक प्रकार का बाजा।

पिआस स्त्री. (तद्.) प्यास।

पिआसा वि. (तद्.) प्यासा।

पिउ पुं. (तद्.) 1. प्रियतम 2. पति 3. ईश्वर 4. पपिहे का शब्द।

पिउ-पिउ पुं. (अनु.) पपिहे का शब्द।

पिक पुं. (तत्.) कोयल, कोकिला।

पिक-प्रिया स्त्री. (तत्.) बड़ा जामुन।

पिक-बंधु पुं. (तत्.) आम का वृक्ष।

पिक बचनी वि. (तत्.+तद्.) कोयल के समान बोलने वाली, मधुर वाणी वाली, पिक वचनी।

पिक बयनी वि. (तत्.+तद्.) दे. पिक बचनी।

पिक बैनी वि. (तत्.+तद्.) दे. पिकबचनी।

पिकवचनी वि. (तत्.) कोयल के समान मधुर वाणी वाली, मधुर-भाषिणी।

पिकाश पुं. (तत्.) कोयल की आँख वि. (तत्.) जिसकी आँखें कोयल के समान हों।

पिकी स्त्री. (तत्.) मादा कोयल।

पिकेटिंग पुं. (अं.) धरना।

पिग्मी वि. (अं.) वामन, बौना; पुं. (अं.) अफ्रीका के भूमध्य रेखीय क्षेत्र के बौने लोगों की जाति।

पिघलना अ.क्रि. (तद्.) ताप में किसी ठोस पदार्थ का द्रव रूप में बदलना, ला.अर्थ. द्रवित होना, दयार्द्र होना।

पिघलाना स.क्रि. (तद्.) 1. किसी ठोस पदार्थ को ताप देकर द्रव रूप में बदलना 2. द्रवित करना।

पिघलि क्रि.वि. (तद्.) 1. पिघलकर, ठोस अवस्था से द्रव अवस्था में आकर।

पिचंड पुं. (तत्.) 1. पेट 2. किसी जानवर का कोई अंग वि. (तत्.) 1. उदर या पेट संबंधी 2. बहुत अधिक खाने वाला।

पिचंडिल वि. (तत्.) बड़ी तोंद वाला, तोंदल।

पिचक स्त्री. (देश.) 1. पिचकने की क्रिया या भाव 2. पिचके होने की अवस्था।

पिचकना अ.क्रि. (देश.) फूले उभरे हुए अंग का अथवा तल का भीतर की ओर दबना, फुलाव, उभार कम होना।

पिचकवाना स.क्रि. (देश.) [पिचकाना का प्रेरणा.] पिचकाने या दबाने का कार्य किसी अन्य से कराना।

पिचकाना स.क्रि. (देश.) 1. उभरे हुए तल को दबाना 2. दबाकर नीचा या चपटा करना 3. संकुचित करना।

पिचकारी स्त्री. (देश.) 1. नली के आकार का एक उपकरण जिसके एक सिरे पर एक या अनेक छेद होते हैं जिनके द्वारा नली में भरे पानी अथवा द्रव दबाव से धार या फुहार के रूप में बाहर किसी व्यक्ति या वस्तु पर छिड़का या